



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, 11 जून, 1994/ज्याइस्था 21, 1916
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 11, 1994/JYAISTHA 21, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-Section (III)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएँ
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 27 मई, 1994

आ. अ. 44:—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से श्रीमती बी. सेन के स्थान पर श्रीमती अनीता दास, आई. ए. एस. सचिव मध्य प्रदेश सरकार, पंचायती राज और ग्रामीण विकास को मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से और अगले आदेशों तक, इसके द्वारा नामित करता है।

2. श्रीमती अनीता दास, मध्य प्रदेश राज्य के अधीन सभी पदभार या किसी कार्य के पदधारियों को तत्काल सौंप दें या धारण करना समाप्त कर दें, जो कि वे ऐसा पदभार ग्रहण करने से पहले धारण कर रहे थे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

1312 GI/94—

3. श्रीमती अनीता दास को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मध्य प्रदेश के रूप में कार्य करते हुए यह आदेश दिया जाता है कि वे मध्य प्रदेश सरकार के अधीन किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त कार्यभार नहीं ग्रहण करेंगे, सिवाय इसके कि उनको राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी सरकार के सचिव नामित किया जायेगा जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है।

4. यदि श्रीमती अनीता दास को आयोग के पूर्व लिखित अनुमोदन के बिना किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाए तो वे इस आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी मध्य प्रदेश के पदभार से अपने आप हटा दिए गए समझे जाएंगे और किन्हीं अलग आदेशों को जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप

में उनकी ड्यूटी और कार्य के तथ्यांकित निर्वहन में उनके द्वारा की गई सभी या कोई कार्यवाई अप्राधिकृत और नास्तिक और खून्य होगी और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकेगी।

[सं. 154/म.प्र./94]

आदेश से,

के. पी. जी. कुट्टी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 27th May, 1994

O.N. 44.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13-A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Madhya Pradesh hereby nominates Smt. Anita Das, IAS, Secretary to Government of Madhya Pradesh, Panchayati Raj and Rural Development as the Chief Electoral Officer for the State of Madhya Pradesh with effect from the dates she takes over charge and until further orders vice Smt. B. Sen.

2. Smt. Anita Das shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Go-

vernment of Madhya Pradesh which she may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Smt. Anita Das while functioning as the Chief Electoral Officer, Madhya Pradesh shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government, Madhya Pradesh, except that she should be designated Secretary to the Government incharge of Department under the Election Commission in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Smt. Anita Das, is entrusted with or is made hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the commission. She shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Madhya Pradesh from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to issue. All and any action taken by her thereafter in the failed discharge of her duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and she shall render herself liable to disciplinary action.

[No. 154/MP/94]

By Order,

K. P. G. KUTTY, Secy.